एमएसएमई के लिए खुला डिफेंस का दरवाजा, स्वदेशी की होगी खरीदारी

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : अमेरिकी टैरिफ लगने के बाद निर्यातकों के लिए नई राहें खुल रहीं हैं। डिफेंस का सामान वोकल फार लोकल की तर्ज पर तैयार होगा। लखनऊ में हुए डीआरडीओ और डीटीडीसी के कांक्लेव में डिफेंस सेक्टर में एमएसएमई के तहत उत्पाद लिए जाएंगे। इसमें एमएसएमई को उत्पादन के क्षेत्र में जानकारी देना और सहयोग करना मुख्य विषय रहा। इससे मंदी से निपटने के लिए सरकार की पहल को निर्यातकों ने सराहा है। डिफेंस में होने वाली चीजों को बनाने के लिए निर्यातकों से भी सहयोग की मांग की गई। वोकल फार लोकल के तहत 2047 तक विकसित भारत बन सकेगा।

टैरिफ के बाद निर्यात क्षेत्र में आइ मंदी से उबरने के लिए अब डिफेंस सेक्टर ने एमएसएमई क्षेत्र की ओर हाथ बढ़ाया है। लखनऊ में डीआरडीओ और डीटीडीसी का कान्क्लेव हुआ। इसमें एमएसएमई को उत्पादन के क्षेत्र में जानकारी देना और सहयोग करना विषय रहा। एमएसएमई और स्टार्टअप के 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। मुख्य अतिथि डीआरडीओ अध्यक्ष कामत, लघु उद्योग भारती के प्रदेश महासचिव अमित अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदेश महासचिव ने बताया कि डीटीटीसी रक्षा मंत्री की विचारधारा का परिणाम है, जो आज यह उद्योगों के हित में सकारात्मक रूप से कार्य कर रहा है।

लखनऊ में हुए कान्क्लेव में मौजूद निर्यातक ● सौ. निर्यातक

डीआरडीओ के लिए एमएसएमई हर संभव सहयोग के लिए तैयार है। जिससे कि देश आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर होकर 2047 तक विकसित भारत बन सके। वहीं मुरादाबाद चैप्टर अध्यक्ष रचित अग्रवाल ने बताया कि इसमें 50 के करीब लघु उद्योग भारती के व्यापारी शामिल हुए।

एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए डिफेंस ने एक नया दरवाजा खोला है। रक्षा मंत्रालय के लिए छोटी छोटी चीजें बनाकर सहयोग प्रदान करेगा। एक नया बाजार मिलने जा रहा है। अब तक 70-80 प्रतिशत डिफेंस का माल विदेशों से खरीदा जाता था लेकिन, अब भारत सरकार चाहती है कि ये सारा माल भारत में ही बनाया जाए। एमएसएमई क्षेत्र को नया बाजार मिलने की उम्मीद है।

ग्रीस में ईपीसीएच ने लगाई प्रदर्शनी

जासं, मुरादाबाद : 89 वां थेसालोनिकी अंतरराष्ट्रीय मेला (टीआइएफ) छह से 14 सितंबर तक शुरू हो गया है। पूर्वोत्तर मंत्रालय (डीओएनईआर) में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार असित गोपाल ने बताया कि इस मेले के माध्यम से लोग भारत की छवि को हस्तशिल्प सोर्सिंग के लिए खरीदारों से जुड़ रहे हैं क्योंकि भारत में विविध उत्पाद रेंज, टिकाऊ प्रथाएं और कारीगरी उत्कृष्टता है। ईपीसीएच अध्यक्ष डा. नीरज विनोद खन्ना ने बताया कि थेसालोनिकी मेला दक्षिण-पूर्वी यूरोप की सबसे महत्वपूर्ण व्यापार प्रदर्शनियों में से एक है, जो दुनिया भर के व्यापार लाता है। इसमें 1,500 से अधिक प्रदर्शकों और दो लाख से अधिक खरीदारों के भाग लेने की उम्मीद है।